

What will i write 4

What will I write ?

It's dark now-

I'm sitting on the terrace wearing a half pant,
Sipping on the piping hot tea with some puffed rice ;

I finished the puffed rice

To write something.

A puzzled equation is going on
In the neighbour's television set;

Blue neon light on the streets -

So much is left to write.

My pen is speaking at the pace of a storm
I'm thinking of writing so many more things...

Or shall I write about the girl

Who comes to sweep in the morning?

She hovers around the locality

At 6 in the morning ;

Pushing along the garbage van made of tin

With ease, playing the whistle ,

Sweeping one side of the street.

She picks up the garbage with the shovel.

On the other side, garbage from all the houses

Are being dumped into the van -

Rotten veggies, last night's stale food,

Used napkins, used pads of kids,

Empty liquor bottles - everything is being dumped

From every house .

The garbage is overflowing the van ,

The girl is pushing them inside with the shovel.

She said, "Brother let me empty this van to the vat half kilometres away

And I'll come back "

What will I write?

It's 11am now.

The mask of the girl has come down to the throat .

Her messy body is drenched in wet.

"Brother, my husband died due to alcohol
We're the contractual labours of the Corporation,
No work, no pay."

Once I saw in the afternoon ,
She has sat on one side of the road
Stretching her legs, keeping the van in one side,
She's having chickpeas and puffed rice-
What will write?

"You know if I cross a gate playing the whistle,
People start shouting-
Sometimes they even abuse
Can't they walk two steps to dump the waste?
They throw the black plastics from 1st floor,
They carry sick people's stool pads inside .
Our life is thus smeared in waste Brother:"
What will I write?

I am wandering on the terrace now ,
Eating tea and puffed rice.
I'm thinking of writing the improvement of the middle class colony,
The dazzling street neon light...
Regarding these,
Or regarding the immense darkness of the lives
Of girls who stand on the soil of reality
What will I write?
A mountain of thoughts inside my head:

14

କି ଲିଖର ଆସି? (4)

କି ଲିଖର ଆସି?

ଏକମ ଉତ୍ପାଦନ

ଆମି ମାଧ୍ୟେ ସାଧନାଳୟ ବଢ଼େ ଉପରେ ଗଲେ

ଭୁଡ଼ି ଆସି ମାଧ୍ୟେ ସିଦ୍ଧାନ୍ତ ନାମ ଗା।

ଭୁଡ଼ିଟା ଗୋଡ଼ାଗାଡ଼ି ଲେଖ ବଢ଼ାମାଧ୍ୟ

କିନ୍ତୁ ଲିଖର ବଳେ,

ବାଣେ କୋର ଗାଡ଼ିରେ ଚିଠି ସିଦ୍ଧିଧାଲେଟୁ

ସିଦ୍ଧିସିଦ୍ଧି ସଂକଳନ,

ସାଧ୍ୟ ନାମରେ ନିଧାନେଟୁ - ଆମେ

ଆମେ କତ କି ଥେ ମେଧାଂ - ଆମେ

ଆମାଂ ବଳେ ବଳା ବଳେ ଅଢ଼େଟୁ ମେଧ

ଲିଖର ଗାଡ଼ି ଆମେ ଆମେ ଆମେ କିନ୍ତୁ.....

ନୀତିକ ବିନିଷ୍ଟ ଅକ୍ଷୟ ଆଦ୍ୟ ଦିଲ୍ ତୋମ
(ଅପ୍ତେଟିଟ୍ - କାବନ ?

ଅକ୍ଷୟ ବୃତ୍ତାୟ (ଅପ୍ତେଟି ଟେଗୋୟ
ବାଢ଼ାୟ ବାଢ଼ାୟ ,

ଦିନେଟ୍ ଅକ୍ଷୟ ଟେଗୋୟ ନୀତିକ ଦିଲ୍ ଦିଲ୍
ନିଅନ୍ତେ ତୋମେ ଅକ୍ଷୟ ବାଣି ଦିଲ୍ ଦିଲ୍ ,

ଅକ୍ଷୟ ବାଣି ଅକ୍ଷୟ ଦିଲ୍

ଅକ୍ଷୟ ଦିଲ୍ ଟେଗୋୟ ଦିଲ୍ ,

ଦିଲ୍ ଦିଲ୍ ଅକ୍ଷୟ ବାଣି ଦିଲ୍ ଅକ୍ଷୟ ଦିଲ୍

ଅକ୍ଷୟ ଦିଲ୍ ଦିଲ୍ ନୀତିକ ,

ବାଣି ଅକ୍ଷୟ , ଦିଲ୍ ଦିଲ୍ ବାଣି ଅକ୍ଷୟ

ଅକ୍ଷୟ ନୀତିକ , ଅକ୍ଷୟ ଅକ୍ଷୟ ବାଣି

ଅକ୍ଷୟ ଦିଲ୍ ଦିଲ୍ ଅକ୍ଷୟ ବାଣି ଅକ୍ଷୟ

ଅକ୍ଷୟ ବାଣି ଦିଲ୍ ,

(16)

ଅଧୁନା ଓକାଟି ଚଢ଼ାଉ ଯାଉଛି (ଅଳୋ
 ଗାଠି (ଅଧୁନା ଦେଲେ ଦିଅଁ ଚଳେ ଚଳେ ଲୋକା(ହୁ)
 ସମାଜ ଓ ନାନା ଏକତା ଯାଉଛି ତାହା ଧରଣ ଦେଲେ
 ନିଅଁ ଅହୁ ଶାନ୍ତ ବିଶେଷାଦିତାଠି ଦୁଃଖ ଡାକେ
 ଧରଣେ ଗୋଟାଠି ଧରଣେ ଗୋଟି ॥
 କି ନିଅଁ ଗୋଟି?

ଏହାମାନ ଦେଖା ଏକାଗୋଟା ।

ଅଧୁନାଦି- ଅଧୁନା- ଅଧୁନା- ଅଧୁନା (ନାହିଁ ନାହିଁ

ଅନେକାନ୍ତେ ଧରଣ- ଚଳାଚଳେ ଧରଣ ଦେଖା ,

“ ନାନା ଧରଣେ ଅଧୁନା (ନାହିଁ ଅଧୁନା (ନାହିଁ

ଅଧୁନା(ନାହିଁ- କରଣା(ନାହିଁ ଅଧୁନା (ନାହିଁ ଗୋଟି ॥

ନାହିଁ ଗୋଟି, ନାହିଁ (ନାହିଁ ॥

ଏକାନ୍ତେ ଅଧୁନା- କରଣା(ନାହିଁ

ଅଧ୍ୟାୟ ଲେଖାରେ ଯାହା ଅଧିକ ଉପଯୋଗୀ
ଏବଂ ଉଚିତ୍ତ୍ୱେ ଅଧିକ ସମ୍ପାଦନ
ଏକାଧାରୀ ସୁଧାକ୍ଷରୀ ଉଚିତ୍ତ୍ୱେ ଉପଯୋଗୀ ।

କି ନିମ୍ନର ଉଦାହରଣ ?

୧୧ ଜାଣି ଯେ ଗାଁର ଯାହାଙ୍କୁ ଅଧିକ ଉପଯୋଗୀ
କେତେ ଉପଯୋଗୀ କେତେକ ସେ ଚିନ୍ତାକର୍ତ୍ତାଙ୍କୁ
କେତେକ କେତେକ ଉପଯୋଗୀ ଦେଖ ।

୧୨ କି ଏହି ଉଦାହରଣରେ ଅଧ୍ୟାୟ ଉପରେ କି କି ?

୧୩ ନିମ୍ନର ଉଦାହରଣ ଉପରେ ଉପଯୋଗୀ ଅଧ୍ୟାୟ
କିମ୍ପାକାରୀ ଉପଯୋଗୀ, ଉପଯୋଗୀ ଉପଯୋଗୀ
କାହାଣୀର ଉପଯୋଗୀ ।

୧୪ ଉପରେ ଉପଯୋଗୀ ଉପଯୋଗୀ ଉପଯୋଗୀ ଉପଯୋଗୀ ।

କି ନିମ୍ନର ଉଦାହରଣ ?

(18)

କା ସୃଷ୍ଟି ହୋଇ ହୋଇ ହୋଇ

ସାଧୁଗଣ କରନ୍ତି ସେବା

ନିରନ୍ତର ଭୋଗ ସୃଷ୍ଟି କରନ୍ତୁ ଓ ଉନ୍ନତି

ସାଧୁଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ ନିଅନ୍ତୁ - ତାହା

ଏହା ନିଅନ୍ତୁ

ନୀତି ସାଧୁଙ୍କୁ - ଆପଣଙ୍କ ନୀତିକୁ ଅନୁରୋଧ

ସାମ୍ପ୍ରତିକ ହୋଇଥିବାରୁ - ଜୀବନରେ ଯେଉଁ ଭଲକାର ନିଅନ୍ତୁ ?

କି ନିରନ୍ତର ଭୋଗ

ଆମକୁ ଭୋଗରୁ ସାହାଜୀ

क्या लिखूं मैं?(4)

ऐसा अंधेरा है,

छत पे बैठकर,

खाली बदन पे सिर्फ हाफ पैंट पहने हुए,

मुर्दा खाने के साथ साथ धुँ वाली लाल चाय पी रहा हूँ।

कुछ लिखने के लिए जल्दी से मुर्दा खत्म करता हूँ।

बगल में न जाने किस घर के टीवी सीरियल में अजीबोगरीब समीकरण चल रहा है,

सड़क पे नियोन की नीली रौशनी,

और न जाने क्या क्या है लिखने को,

मेरी कलम मानो हवा से बातें करती हुई आगे बढ़ रही है,

सोच रहा हूँ लिखूं और भी, और भी बहुत कुछ।

या लिखूं उस लड़की की जिंदगी की कहानी जो सुबह सुबह झाड़ू लगाने आती है।

वह लड़की सुबह छः बजे निकलकर

इस मोहल्ले से उस मोहल्ले में जाती है,

मुँह में सीटी बजाते हुए,

कचड़े फेंकने वाले टिन की गाड़ी को खींचते हुए लेकर आती है।

एक तरफ सड़क पर झाड़ू लगाकर,

बेलचे से कचड़े उठाती है,

दूसरे तरफ सब घरों से लोग गाड़ी पर कचड़े फेंक देते हैं।

सड़ी हुई सब्जियां, पिछले दिन का बासी खाना,

यूज़ड नैपकिन, बच्चों के यूज़ड पैड,

दारू का खाली बोतल,

हर एक घर से सबकुछ फेंके जाते हैं।

गाड़ी से कचड़े गिरते जा रहे हैं,

और वह लड़की बेलचे से ठुस ठुस कर घुसा रही है।

भैया, एक गाड़ी यदि भर गयी हो तो उसे हाफ किलोमीटर दूर तक ले जाकर वैट में फेंककर,

फिर लौट आऊँ।

क्या लिखूं मैं

अभी दिन के बारह बज रहे हैं।

लड़की के चेहरे का मास्क गले तक उतर आया है।

गन्दा शरीर पसीने से तर-तर है।

भैया, पति दारू पीते पीते मर गया।

हमलोग कॉर्पोरेशन के कोंट्राक्टुअल लेबर हैं।

नो वर्क, नो पे।

एकदिन दोपहर के दो बजे देखता हूँ,

कचड़े से भरे हुए गाड़ी को साइड में रखकर,

सड़क पे पैर पसारकर बैठ गयी है।

एक थाली घुघनी और मुर्दा खा रही है।

क्या लिखूं मैं

जानते हैं, सीटी बजाते हुए,

किसी के घर का गेट पार करने से ही, वह चिल्ला उठता है।

कोई कोई तो गालियां भी देता है।

दो कदम आगे आकर कचड़े नहीं फेंक सकते।

ऊपर से काले पैकेट फेंकते हैं, जिसके अंदर बीमार लोगों की मलमूत्र से भरे पैड हैं।

भैया, इसी तरह मलमूत्र से भरा है मेरा जीवन।

क्या लिखूं मैं

चाय और मुर्दा खाते खाते,

छत पर टहल रहा हूँ,

सोच रहा हूँ लिखूं,

मध्यवर्गीय कोलोनी की प्रगति की कथा,

सड़क पे चमकती नियोन की रौशनी,

या,

वास्तविकता की जमीन पर खड़ी

गरीब मजबूर लड़कियों की जिंदगी के घनघोर अँधेरे की कथा,

क्या लिखूं मैं

सर पे विचारों का पहाड़।